Regarding Vijay Diwas

श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा (वायनाड**) :** सभापति महोदया, बहुत खुशी की बात है कि आपको अब याद आया । आज विजय दिवस है । वर्ष 1971 के युद्ध में जिन शहीदों ने, जिन सेनाओं ने हमारे लिए लड़ाई लड़ी, जिन जांबाजों ने यह लड़ाई लड़ी, सैन्य अधिकारियों को, सैनिकों को और सब शहीदों को मैं सबसे पहले नमन करना चाहती हूं । मैं देश की जनता को नमन करना चाहती हूं कि आज के दिन जो विजय भारत ने पाई थी, वह उनके बिना नहीं हो सकता था । उस समय भारत अकेला खड़ा था । पूरे विश्व ने कोई सुनवाई नहीं की । बांग्लादेश में जो हो रहा था, बांग्लादेश की जनता, हमारे बंगाली भाई-बहनों की आवाज को कोई नहीं सुन रहा था । उस समय भारत की जनता एक होकर अपनी सेना के साथ खड़ी हुई, अपने नेतृत्व के साथ खड़ी हुई और अपने उसूलों के साथ खड़ी हुई । इंदिरा गांधी जी उस समय प्रधानमंत्री थीं । मैं उनको भी नमन करना चाहती हूं । वे इस देश की महान शहीद हैं, जिन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में साहस दिखाया और एक ऐसा नेतृत्व दिखाया, जिससे यह देश विजयी हुआ । आज इस संदर्भ मैं दो मुद्दे उठाना चाहती हूं । वह जो लड़ाई थी, वह उसूलों की लड़ाई थी । लोकतंत्र का उसूल ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस जी ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप कंप्लीट कीजिए ।

? (व्यवधान)

श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा **:** सभापति महोदया, मैं संक्षेप में बोल देती हूं । मेरे दो मुद्दे हैं, मैं संक्षेप में बोल देती हूं । पहला मुद्दा यह है कि बांग्लादेश में जो अल्पसंख्यकों के साथ, हिन्दू और ईसाइयों के साथ अत्याचार हो रहा है, उसके खिलाफ इस सरकार को अवाज उठानी चाहिए, बांग्लादेश की सरकार के साथ बातचीत करनी चाहिए और उनको पूरा समर्थन देना चाहिए, जिनको पीड़ा हो रही है । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस जी ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति**:** आप एसोसिएट करेंगे?

? (व्यवधान)

श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा **:** सभापति महोदया, आज सेना के हेडक्वार्टर से वह तस्वीर उतारी गई है, जिसमें पाकिस्तान की सेना भारत की सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है । ? (व्यवधान)

———

-

13.04 hrs

At this stage, Shri Gaurav Gogoi, Shri A. Raja and some other hon. Members left the House.

संस्कृति मंत्री**;** तथा पर्यटन मंत्री **(**श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत**) :** माननीय सभापति महोदया, अभी शून्य काल के दौरान माननीय सदस्य द्वारा विजय दिवस को लेकर यहां पर कुछ वक्तव्य दिये गए । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि उन्होंने जो दो विषय रखे थे, उनमें से एक विषय था कि जो पेंटिंग पहले रक्षा मंत्रालय में लगी थी, उस पेंटिंग को वहां से हटा दिया गया है । मैं मात्र सदन के संज्ञान के लिए निवेदन करना चाहता हूं कि वह पेंटिंग मोस्ट बि फिटिंग प्लेस मानेकशॉ ऑडेटोरियम में पूरे सम्मान के साथ स्थापित की गई है ताकि वहां उसे और अधिक लोग देख कर उससे प्रेरणा प्राप्त कर सकें । ? (व्यवधान)

SHRI K. C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, I may be allowed to ask one clarification. ? (*Interruptions*)

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत**:** महोदया, मुझे लगता है कि ऐसे विषय जो भारत की सेना और भारत की सेना से सम्मान से जुड़े हुए हैं, भारत की सेना के शौर्य से जुड़े हुए विषय हैं, उनको लेकर इस तरह की राजनीतिक टिप्पणियाँ नहीं करनी चाहिए ।? (व्यवधान) मुझे लगता है कि इस विषय पर हम सब संसद में बैठे हुए सम्माननीय सदस्यों को अपने उत्तरदायित्व का ज्ञान रखते हुए, उस पर निश्चित रूप से हमें टिप्पणी करने से पहले विचार करना चाहिए ।? (व्यवधान)

———